

# वैज्ञानिक प्रयोग



डॉ. चेतना शर्मा

प्रिय पाठकों।

आपमें से बहुत से लोग अंतरिक्ष की सैर के सपने देखते होंगे, अंतरिक्ष-यान के चालक भी बनना चाहते होंगे, ठाक अंतरिक्ष पर विजय प्राप्त कर सकें, अर्ध-समय एतों पर जा सकें। लेकिन यह जान लें कि अंतरिक्ष का सरल सरल नहीं है। अंतरिक्ष पर जाना कोई काल्पनिक यात्राएँ ही नहीं है, जैसा कि विज्ञान-मन्त्रियों में लिखा रहता है। यह कठिन और खतरनाक भी है, इसके लिए लागत व व्यय चाहिये। जो अंतरिक्ष यान अपना जीवन अर्पित करता चाहते हैं, उन्हें ये बातें याद रखनी चाहिये।

अंतरिक्ष का सरल कर्तव्य से शुरू होता है? सर्वप्रथम उच्च शिक्षा से। प्राची अंतरिक्ष यात्री को शिक्षा होना चाहिये, जिससे वह स्वयं-सह, सहनशील और स्विकाराली बना रहे।

आपने अंतरिक्ष से सम्बन्धित बहुत किताबें पढ़ी होंगी। यह किताब अंतरिक्ष के सरल सीमा संबंध रखती है। इस किताब को सरल पढ़ना ही नहीं चाहिये, इसमें जो कुछ लिखा हुआ है, उसे अपने हाथों से करना भी चाहिये-सरल उपकरण और उनके प्रतिफल बनाना, उनके साथ मनोवैज्ञानिक प्रयोग करना जो अंतरिक्ष से प्राप्त रहते हैं।

कोन जानता है, कहीं से सरल प्रयोग ही आपके लिये अंतरिक्ष से प्राप्त करके सिद्ध हो? ये ही हार्दिक कामना है, पित्रों, कि आपकी सफलता मिले, आपकी मात्र खुशियों से भरी हो।

*Seema*  
Principal

Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya  
JAI?

वैज्ञानिक प्रयोग  
सम्पादक  
डॉ. चेतना शर्मा  
प्रकाशक  
आशा पब्लिकेशन्स  
प्रताप नगर, जयपुर  
©  
सुरक्षित  
प्रथम संस्करण  
2018  
ISBN  
978-93-85448-17-1  
मूल्य  
₹ 250/- मात्र  
लेजर टाइपसेटिंग  
जैन कम्प्यूटर्स  
मुद्रक  
हरीश प्रिन्टर्स, जयपुर

## प्रस्तावना

प्रिय पाठकों!

आपमें से बहुत से लोग अंतरिक्ष को सिर के सपने देखते होंगे, अंतरिक्ष-यान के चालक भी बनना चाहते होंगे, ताकि अंतरिक्ष पर विजय प्राप्त कर सकें, नये-नये ग्रहों पर जा सकें। लेकिन यह ज्ञान लें कि अंतरिक्ष का रास्ता सरल नहीं है। अंतरिक्ष पर जाना कोई काल्पनिक यात्राएँ ही नहीं हैं, जैसा कि विज्ञान-गल्पों में लिखा रहता है। यह कठिन और खतरनाक भी है, इसके लिए लगन व त्याग चाहिये। जो अंतरिक्ष को अपना जीवन अर्पित करना चाहते हैं, उन्हें ये बातें याद रखनी चाहिये।

अंतरिक्ष का रास्ता कहाँ से शुरू होता है? सर्वप्रथम उच्च शिक्षा से। भावी अंतरिक्ष यात्री को शिक्षित होना चाहिये, जिससे वह स्वस्थ रहे, सहनशील और शक्तिशाली बना रहे।

आपने अंतरिक्ष से सम्बन्धित बहुत किताबें पढ़ी होंगी। यह किताब अंतरिक्ष के साथ सीधा संबंध रखती है। इस किताब को सिर्फ पढ़ना ही नहीं चाहिये, इसमें जो कुछ लिखा हुआ है, उसे अपने हाथों से करना भी चाहिये—सरल उपकरण और उनके प्रतिकल्प बनाना, उनके साथ मनोरंजक प्रयोग करना जो अंतरिक्ष से वास्ता रखते हैं।

कौन जानता है, कहीं ये सरल प्रयोग ही आपके लिये अंतरिक्ष में पहला कदम सिद्ध हो? मेरी हार्दिक कामना है, मित्रों, कि आपको सफलता मिले, आपकी यात्रा खुशियों से भरी हो।

*Jeenu*  
Principal

Kanoria PG Mahila Sanshodhaya  
JAIPUR

डॉ. चेतना शर्मा